मुख्यमंत्री ने 'साइबर एनकाउंटर्स' पुस्तक का वमिोचन कयिा

चर्चा में क्यों?

7 मई, 2023 को उतराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने राजपुर रोड स्थति सेंट जोसेफ अकेडमी, देहरादून में 'साइबर एनकाउंटर्स'पुस्तक के हन्दिी संस्करण का वमिोचन कयिा।

प्रमुख बदिु

- यह पुस्तक डीजीपी उत्तराखंड अशोक कुमार एवं पूर्व डी.आर.डी.ओ वैज्ञानकि ओ.पी. मनोचा द्वारा लखिी गई है।
- डीजीपी अशोक कुमार एवं ओ.पी मनोचा ने साइबर अपराधों का वश्लिेषण करती व सत्य घटनाओं पर आधारति यह पुस्तक लखिी है, इससे साइबर अपराधों से बचने में पाठकों को बहुत मदद मलिेगी। इस पुस्तक में जहाँ एक ओर सच्ची घटनाओं का जक्रि करते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास कयिा गया है, वहीं दूसरी ओर पुस्तक मनोरंजक भी है। पुस्तक का एक-एक पृष्ठ लोगों को साइबर क्राइम से बचाव के लयि प्रेरति करने का कार्य करेगा।
- साइबर क्राइम वर्तमान टेक्नोलॉजी के युग की सबसे बड़ी चुनौती है और प्रदेश के डीजीपी द्वारा इस चुनौती के संबंध में जनता को जागरूक करना इस पुस्तक की प्रासंगकिता को और भी अधकि बढ़ा देता है।
- उल्लेखनीय है कि इस पुस्तक के लेखक डीजीपी अशोक कुमार उत्तराखंड कैडर के वर्ष 1989 के भारतीय पुलसि सेवा (आईपीएस) के अधकिारी हैं।
- 30 नवंबर, 2020 को वे उत्तराखंड के 11वें डीजीपी (पुलसि महानदिेशक) बने। अपने लगभग तीन दशक के सेवाकाल में अवभिाजति उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड पुलसि, आईटीबीपी और बीएसएफ के महत्त्वपूर्ण पदों पर तैनात रहे हैं। बीते वर्षों में उन्होंने कई वषियों पर पुस्तकें भी लखिीं, जनिमें उनकी 'खाकी में इंसान'पुस्तक बेहद प्रसद्धि रही है।
- अशोक कुमार का जन्म 20 नवंबर 1964 को हरयिाणा के पानीपत ज़लि के कुराना गांव में हुआ था। उन्होंने आईआईटी दल्लिी से बीटेक और एमटेक की शक्षिा प्राप्त की थी।
- डीजीपी अशोक कुमार को वर्ष 2001 में कोसोवो में उत्कृष्ट कार्य के लयि यूनए मशिन पदक मलिा था। उन्हें वर्ष 2006 में दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लयि राष्ट्रपति द्वारा पुलसि पदक से सम्मानति कयिा गया।
- ओ.पी मनोचा डीआरडीओ के वैज्ञानकि हैं। ओ. पी. मनोचा भौतकिी (इलेक्ट्रॉनक्सि) में पोस्ट ग्रैजुएट हैं और उन्हें रक्षा मंत्रालय के अनुसंधान वगि डी.आर.डी.ओ. में काम करने का 35 साल का अनुभव है, जहाँ उन्होंने वभिन्नि रक्षा परयिोजनाओं को धरातल पर उतारा।
- वभिन्नि अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रकिाओं तथा सम्मेलनों में उनकी छह कृतयिाँ प्रकाशति हैं, जनिमें डफिेंस साइंस जर्नल, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इमेज इनफॉर्मेशन प्रोसेसगि और इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेज इन कंप्यूटर साइंस की कार्रवाइयाँ शामलि हैं।
- वे इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनक्सि एंड टेलीकम्युनकिेशन इंजीनयिर्स के लाइफ फेलो हैं और कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडयिा तथा इंडयिन सोसाइटी ऑफ रमिोट सेंसगि के आजीवन सदस्य हैं। वे **IETE,** देहरादून चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष हैं। वे वर्ष 2018 में डी.आर. डी.ओ. से सेवानविृत्त हुए।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chief-minister-released-the-book-cyber-encounters